Arth Parkash 8-10-25

एसडी कॉलेज के स्टूडेंट्स ने किया सोरेम का दौरा

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग की ओर से पीएम-उषा योजना के तहत बौद्धिक और विकासात्मक चुनौतियों वाले बच्चों के लिए समर्पित स्कूल 'सोरेम' में एक एजुकेशनल विजिट का आयोजन किया गया। यह पहल विभाग के एजुकेशनल प्रोग्राम के एक भाग के रूप में तथा विद्यार्थियों को बाल व्यवहार, मानसिक स्वास्थ्य और विशेष शिक्षा के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी। इस विजिट के दौरान, लगभग 70 मनोविज्ञान के स्टूडेंट्स ने बच्चों के साथ सक्रिय रूप से भाग लिया।

छात्रों ने क्लासरूम और चिकित्सीय गतिविधियों का अवलोकन किया तथा सीखने, समाजीकरण और भावनात्मक विकास को बढ़ावा देने के लिए इंटरैक्टिव अभ्यासों में भाग लिया। छात्रों ने शिक्षकों के साथ भी बातचीत की और केस स्टडी भी तैयार की। इस व्यावहारिक संलग्नता ने छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक दुनिया के व्यवहार में बदलने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान किया, जिससे मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों और हस्तक्षेप रणनीतियों की उनकी समझ गहरी हुई। मनोविज्ञान विभाग की प्रमुख डॉ. तरुणदीप ने इस बात पर जोर दिया कि इस विजिट का उद्देश्य कक्षा में सीखने की प्रक्रिया को वास्तविक दुनिया में सीखने के साथ जोड़ना है, जिससे विद्यार्थियों को बच्चों की विविध आवश्यकताओं को समझने के लिए एक अनूठा मंच मिलेगा, साथ ही उन्हें मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षिक परिस्थितियों में करुणापूर्वक और प्रभावी ढंग से काम करने के कौशल से लैस किया जा सकेगा।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने इस पहल की सराहना की और इस बात पर प्रकाश डाला कि यह पहल मनोविज्ञान के विद्यार्थियों के लिए कक्षा में सीखी गई बातों को वास्तविक जीवन के संदर्भों में लागू करने का एक सार्थक अवसर प्रस्तुत करती है - जो विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के विकास को समझने और उनका समर्थन करने के लिए एक केंद्रीय अनुभव है। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. जतिंदर और डॉ. मीनाक्षी ने किया। उनकी योजना और मार्गदर्शन ने सुनिश्चित किया कि यह विजिट सभी प्रतिभागियों के लिए सुचारू और समृद्ध रही। इस शैक्षिक पहल ने न केवल समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने में मनोविज्ञान के छात्रों की विशेष भूमिका पर प्रकाश डाला, बल्कि सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जीजीडीएसडी कॉलेज की प्रतिबद्धता को भी मजबूत किया।

एसडी कॉलेज के स्टूडेंट्स ने एजुकेशनल विजिट के तहत किया सोरेम का दौरा

वैभव न्यूज ■ चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग की ओर से पीएम-उषा योजना के तहत बौद्धिक और विकासात्मक चुनौतियों वाले बच्चों के लिए समर्पित स्कूल 'सोरेम' में एक एजुकेशनल विजिट का आयोजन किया गया। यह पहल विभाग के एजुकेशनल प्रोग्राम के एक भाग के रूप में तथा विद्यार्थियों को बाल व्यवहार, मानसिक स्वास्थ्य और विशेष शिक्षा के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी। इस विजिट के दौरान, लगभग 70 मनोविज्ञान के स्टूडेंट्स ने बच्चों के साथ सक्रिय रूप से भाग लिया। छात्रों ने क्लासरूम और चिकित्सीय गतिविधियों का अवलोकन किया तथा सीखने, समाजीकरण और भावनात्मक विकास को बढ़ावा देने के लिए इंटरैक्टिव अभ्यासों में भाग लिया। छात्रों ने शिक्षकों के साथ भी बातचीत की और केस स्टडी भी तैयार की। इस व्यावहारिक संलग्नता ने छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक दुनिया के व्यवहार में बदलने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान किया, जिससे मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों और हस्तक्षेप रणनीतियों की उनकी समझ गहरी हुई। मनोविज्ञान विभाग की प्रमुख डॉ. तरुणदीप ने इस बात पर जोर दिया कि इस विजिट का उद्देश्य कक्षा में सीखने की प्रक्रिया को वास्तविक दुनिया में सीखने के साथ जोड़ना है।

Dainik Jagran 8-10-25

सोरेम स्कूल में एसडी कालेज के स्टूडेंट्स ने किया विजिट

सोरेम दौरे के दौरान कालेज के मनोविज्ञान विभाग के स्टूडेंट •कालेज

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज के मनोविज्ञान विभाग ने पीएम-उषा योजना के तहत बौद्धिक और विकासात्मक चुनौतियों वाले बच्चों के लिए समर्पित स्कूल 'सोरेम' में एक एजुकेशनल विजिट का आयोजन किया। यह पहल विद्यार्थियों को बाल व्यवहार, मानसिक स्वास्थ्य और विशेष शिक्षा के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। लगभग 70 मनोविज्ञान के स्टूडेंट्स ने बच्चों के साथ सक्रिय भागीदारी की, क्लासरूम और चिकित्सीय गतिविधियों का अवलोकन किया, और इंटरेक्टिव अभ्यासों में भाग लिया। छात्रों ने शिक्षकों के साथ बातचीत की।

Daimik Savera Times 8-10-25

एसडी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग के स्टूडैंट्स ने एजुकेशनल विजिट के तहत किया सोरेम का दौरा

सवेरा न्यूज/नीना

चंडीगढ़, 7 अक्तूबर : जीजीडीएसडी कॉलेज सैक्टर 32 के मनोविज्ञान विभाग की ओर से पीएम-उषा योजना के तहत बौद्धिक और विकासात्मक चुनौतियों वाले बच्चों के लिए समिर्पत स्कूल 'सोरेम' में एक एजुकेशनल विजिट का आयोजन किया गया। यह पहल विभाग के एजुकेशनल प्रोग्राम के एक भाग के रूप में तथा विद्यार्थियों को बाल व्यवहार, मानिसक स्वास्थ्य और विशेष शिक्षा के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी। इस विजिट के दौरान, लगभग 70 मनोविज्ञान के स्टूडैंट्स ने बच्चों के साथ सिक्रय रूप से भाग लिया। छात्रों ने क्लासरूम और चिकित्सीय गतिविधियों का अवलोकन किया तथा सीखने, समाजीकरण और भावनात्मक विकास को बढ़ावा देने के

कार्यक्रम में हिस्सा लेते छात्र।

लिए इंटरैक्टिव अभ्यासों में भाग लिया। छात्रों ने शिक्षकों के साथ भी बातचीत की और केस स्टडी भी तैयार की। इस व्यावहारिक संलग्नता ने छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक दुनिया के व्यवहार में बदलने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान किया, जिससे मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों और हस्तक्षेप रणनीतियों की उनकी समझ गहरी हुई।

मनोविज्ञान विभाग की प्रमुख डॉ. तरुणदीप ने इस बात पर जोर दिया कि इस विजिट का उद्देश्य कक्षा में सीखने की प्रक्रिया को वास्तविक दुनिया में सीखने के साथ जोड़ना है, जिससे विद्यार्थियों को बच्चों की विविध आवश्यकताओं को समझने के लिए एक अनूठा मंच मिलेगा, साथ ही उन्हें मानिसक स्वास्थ्य और शैक्षिक परिस्थितियों में करुणापूर्वक और प्रभावी ढंग से काम करने के कौशल से लैस किया जा सकेगा।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने इस पहल की सराहना की और इस बात पर प्रकाश डाला कि यह पहल मनोविज्ञान के विद्यार्थियों के लिए कक्षा में सीखी गई बातों को वास्तविक जीवन के संदर्भों में लागू करने का एक सार्थक अवसर प्रस्तुत करती है - जो विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के विकास को समझने और उनका समर्थन करने के लिए एक केंद्रीय अनुभव है। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. जतिंदर और डॉ. मीनाक्षी ने किया। उनकी योजना और मार्गदर्शन ने सुनिश्चित किया कि यह विजिट सभी प्रतिभागियों के लिए सुचारू और समृद्ध रही।

एसडी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग के स्टूडेंट्स ने एजुकेशनल विजिट के तहत किया सोरेम का दौरा

अमूल्या/देवभूमि मिरर

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग की ओर से पीएम-उषा योजना के तहत बौद्धिक और विकासात्मक चुनौतियों वाले बच्चों के लिए समर्पित स्कूल 'सोरेम' में एक एजुकेशनल विजिट का आयोजन किया गया। यह पहल विभाग के एजुकेशनल प्रोग्राम के एक भाग के रूप में तथा विद्यार्थियों को बाल व्यवहार, मानसिक स्वास्थ्य और विशेष शिक्षा के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी। इस विजिट के दौरान, लगभग 70 मनोविज्ञान के स्टूडेंट्स ने बच्चों के साथ सक्रिय रूप से भाग लिया। मनोविज्ञान विभाग की प्रमुख डॉ. तरुणदीप ने इस बात पर जोर दिया कि इस विजिट का उद्देश्य कक्षा में सीखने की प्रक्रिया को वास्तविक दुनिया में सीखने के साथ जोड़ना है, जिससे विद्यार्थियों को बच्चों की विविध आवश्यकताओं को समझने के लिए एक अनूठा मंच मिलेगा, साथ ही उन्हें मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षिक परिस्थितियों में करुणापूर्वक और प्रभावी ढंग से काम करने के कौशल से लैस किया जा सकेगा। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने इस पहल की सराहना की और इस बात पर प्रकाश डाला कि यह पहल मनोविज्ञान के विद्यार्थियों के लिए कक्षा में सीखी गई बातों को वास्तविक जीवन के संदर्भों में लागू करने का एक सार्थक अवसर प्रस्तुत करती है - जो विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के विकास को समझने और उनका समर्थन करने के लिए एक केंद्रीय अनुभव है। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. जतिंदर और डॉ. मीनाक्षी ने किया। उनकी योजना और मार्गदर्शन ने सुनिश्चित किया कि यह विजिट सभी प्रतिभागियों के लिए सुचारू और समृद्ध रही। इस शैक्षिक पहल ने न केवल समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने में मनोविज्ञान के छात्रों की विशेष भूमिका पर प्रकाश डाला, बल्कि सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जीजीडीएसडी कॉलेज की प्रतिबद्धता को भी मजबूत किया।

Divya Himachal 8-10-25

छात्रों को तनाव से दूर रहने का संदेश

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग की ओर से पीएम उषा योजना के तहत बौद्धिक और विकासात्मक चुनौतियों वाले बच्चों के लिए समर्पित स्कूल सोरेम में एक एजुकेशनल विजिट का आयोजन किया गया। यह पहल विभाग के एजुकेशनल प्रोग्राम के एक भाग के रूप में तथा विद्यार्थियों को बाल व्यवहार, मानसिक स्वास्थ्य और विशेष शिक्षा के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी। इस विजिट के दौरान, लगभग 70 मनोविज्ञान के स्टूडेंट्स ने बच्चों के साथ सक्रिय रूप से भाग लिया। छात्रों ने क्लासरूम और चिकित्सीय गतिविधियों का अवलोकन किया तथा सीखने, समाजीकरण और भावनात्मक विकास को बढ़ावा देने के लिए इंटरेक्टिव अभ्यासों में भाग लिया। छात्रों ने शिक्षकों के साथ भी बातचीत की और केस स्टडी भी तैयार की। इस व्यावहारिक संलग्नता ने छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक दुनिया के व्यवहार में बदलने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान किया, जिससे मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों और हस्तक्षेप रणनीतियों की उनकी समझ गहरी हुई। मनोविज्ञान विभाग की प्रमुख डा. तरुणदीप ने इस बात पर जोर दिया कि इस बिजिट का उद्देश्य कक्षा में सीखने की प्रक्रिया को वास्तविक दुनिया में सीखने के साथ जोड़ना है। इससे विद्यार्थियों को बच्चों की विविध आवश्यकताओं को समझने के लिए एक अनूठा मंच मिलेगा, साथ ही उन्हें मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षिक परिस्थितियों में करुणापूर्वक और प्रभावी ढंग से काम करने के कौशल से लैस किया जा सकेगा।

H.T. Chandigarh 7-10-25

SD students visit SOREM to learn special education

CHANDIGARH : Under the PM-USHA scheme, 70 psychology students from GGDSD College visited SOREM in Sector 36 to observe teaching and therapy for children with intellectual and developmental challenges. They interacted with staff and children, participated in classroom activities, and prepared case studies, gaining hands-on learning in special education and mental health support. HTC

एसडी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग के स्टूडेंट्स ने एजुकेशनल विजिट के तहत किया सोरेम का दौरा

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग की ओर से पीएम-उषा योजना के तहत बौद्धिक और विकासात्मक चुनौतियों वाले बच्चों के लिए समर्पित स्कूल 'सोरेम' में एक एजुकेशनल विजिट का आयोजन किया गया। यह पहल विभाग के एजुकेशनल प्रोग्राम के एक भाग के रूप में तथा विद्यार्थियों को बाल व्यवहार, मानसिक स्वास्थ्य और विशेष शिक्षा के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी। इस विजिट के दौरान, लगभग 70 मनोविज्ञान के स्टूडेंट्स ने बच्चों के साथ सक्रिय रूप से भाग लिया।

मनोविज्ञान विभाग की प्रमुख डॉ. तरुणदीप ने इस बात पर जोर दिया कि इस विजिट का उद्देश्य कक्षा में सीखने की प्रक्रिया को वास्तविक दुनिया में सीखने के साथ जोड़ना है, जिससे विद्यार्थियों को बच्चों की विविध आवश्यकताओं को समझने के लिए एक अनूठा मंच मिलेगा, साथ ही उन्हें मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षिक परिस्थितियों में करुणापूर्वक और प्रभावी ढंग से काम करने के कौशल से लैस किया जा सकेगा।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने इस पहल की सराहना की और इस बात पर प्रकाश डाला कि यह पहल मनोविज्ञान के विद्यार्थियों के लिए कक्षा में सीखी गई बातों को वास्तविक जीवन के संदर्भों में लागू करने का एक सार्थक अवसर प्रस्तुत करती है - जो विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के विकास को समझने और उनका समर्थन करने के लिए एक केंद्रीय अनुभव है। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. जतिंदर और डॉ. मीनाक्षी ने किया। उनकी योजना और मार्गदर्शन ने सुनिश्चित किया कि यह विजिट सभी प्रतिभागियों के लिए सुचारू और समृद्ध रही। इस शैक्षिक पहल ने न केवल समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने में मनोविज्ञान के छात्रों की विशेष भूमिका पर प्रकाश डाला, बल्कि सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जीजीडीएसडी कॉलेज की प्रतिबद्धता को भी मजबूत किया।

एसडी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग के स्टूडेंट्स ने एजुकेशनल विजिट के तहत किया सोरेम का दौरा

संवाददाता

चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग की ओर से पीएम-उषा योजना के तहत बौद्धिक और विकासात्मक चुनौतियों वाले बच्चों के लिए समर्पित स्कूल ह्यसोरेमह्ल में एक एजुकेशनल विजिट का आयोजन किया गया। यह पहल विभाग के एजुकेशनल प्रोग्राम के एक भाग के रूप में तथा विद्यार्थियों को बाल व्यवहार, मानसिक स्वास्थ्य और विशेष शिक्षा के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी। इस विजिट के दौरान, लगभग 70 मनोविज्ञान के स्टूडेंट्स ने बच्चों के साथ सक्रिय रूप से भाग लिया।

छात्रों ने क्लासरूम और चिकित्सीय गतिविधियों का अवलोकन किया तथा सीखने, समाजीकरण और भावनात्मक विकास को बढ़ावा देने के लिए इंटरैक्टिव अभ्यासों में भाग लिया। छात्रों ने शिक्षकों के साथ भी बातचीत की और केस स्टडी भी तैयार की। इस व्यावहारिक संलग्नता ने छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक दुनिया के व्यवहार में बदलने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान किया, जिससे मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों और हस्तक्षेप रणनीतियों की उनकी समझ गहरी हुई।

मनोविज्ञान विभाग की प्रमुख डॉ. तरुणदीप ने इस बात पर जोर दिया कि इस विजिट का उद्देश्य कक्षा में सीखने की प्रक्रिया को वास्तविक दुनिया में सीखने के साथ जोड़ना है, जिससे विद्यार्थियों को बच्चों की विविध आवश्यकताओं को समझने के लिए एक अनूठा मंच मिलेगा, साथ ही उन्हें मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षिक परिस्थितियों में करुणापूर्वक और प्रभावी ढंग से काम करने के कौशल से लैस किया जा सकेगा।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने इस पहल की सराहना की और इस बात पर प्रकाश डाला कि यह पहल मनोविज्ञान के विद्यार्थियों के लिए कक्षा में सीखी गई बातों को वास्तविक जीवन के संदर्भों में लागू करने का एक सार्थक अवसर प्रस्तुत करती है - जो विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के विकास को समझने और उनका समर्थन करने के लिए एक केंद्रीय अनुभव है। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. जतिंदर और डॉ. मीनाक्षी ने किया। उनकी योजना और मार्गदर्शन ने सुनिश्चित किया कि यह विजिट सभी प्रतिभागियों के लिए सुचारू और समृद्ध रही। इस शैक्षिक पहल ने न केवल समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने में मनोविज्ञान के छात्रों की विशेष भूमिका पर प्रकाश डाला, बल्कि सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जीजीडीएसडी कॉलेज की प्रतिबद्धता को भी मजबूत किया।

एसडी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग के स्टूडेंट्स ने एजुकेशनल विजिट के तहत किया सोरेम का दौरा

चंडीगढ़, स्टेट समाचार

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग की ओर से पीएम-उषा योजना के तहत बौद्धिक और विकासात्मक चुनौतियों वाले बच्चों के लिए समर्पित स्कूल 'सोरेम' में एक एजुकेशनल विजिट का आयोजन किया गया। यह पहल विभाग के एजुकेशनल प्रोग्राम के एक भाग के रूप में तथा विद्यार्थियों को बाल व्यवहार, मानसिक स्वास्थ्य और विशेष शिक्षा के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी। इस विजिट के दौरान, लगभग 70 मनोविज्ञान के स्टूडेंट्स ने बच्चों के साथ सक्रिय रूप से भाग लिया। छात्रों ने क्लासरूम और चिकित्सीय गतिविधियों का अवलोकन किया तथा सीखने, समाजीकरण और भावनात्मक विकास को बढ़ावा देने के लिए इंटरैक्टिव अभ्यासों में भाग लिया। छात्रों ने शिक्षकों के साथ भी बातचीत की और केस स्टडी भी तैयार की। मनोविज्ञान विभाग की प्रमुख डॉ. तरुणदीप ने इस बात पर जोर दिया कि इस विजिट का उद्देश्य कक्षा में सीखने की प्रक्रिया को वास्तविक दुनिया में सीखने के साथ जोड़ना है, जिससे विद्यार्थियों को बच्चों की विविध आवश्यकताओं को समझने के लिए एक अनूठा मंच मिलेगा, साथ ही उन्हें मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षिक परिस्थितियों में करुणापूर्वक और प्रभावी ढंग से काम करने के कौशल से लैस किया जा सकेगा।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने इस पहल की सराहना की और इस बात पर प्रकाश डाला कि यह पहल मनोविज्ञान के विद्यार्थियों के लिए कक्षा में सीखी गई बातों को वास्तविक जीवन के संदर्भों में लागू करने का एक सार्थक अवसर प्रस्तुत करती है - जो विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के विकास को समझने और उनका समर्थन करने के लिए एक केंद्रीय अनुभव है। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. जतिंदर और डॉ. मीनाक्षी ने किया।

एसडी कॉलेज के स्टूडेंट्स ने एजुकेशनल विजिट के तहत किया 'सोरेम' का दौरा

उत्तम हिन्दू न्यूज नेटवर्क

चंडीगढ़ (विज) : सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग की ओर से पीएम-उषा योजना के तहत बौद्धिक और विकासात्मक चुनौतियों वाले बच्चों के लिए समर्पित स्कूल 'सोरेम' में एक एजुकेशनल विजिट का आयोजन किया गया। यह पहल विभाग के एजुकेशनल प्रोग्राम के एक भाग के रूप में तथा विद्यार्थियों को बाल व्यवहार, मानसिक स्वास्थ्य और विशेष शिक्षा के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी। इस विजिट के दौरान, लगभग 70 मनोविज्ञान के स्टूडेंट्स ने बच्चों के साथ सक्रिय रूप से भाग लिया। छात्रों ने क्लासरूम और चिकित्सीय गतिविधियों का अवलोकन किया तथा सीखने, समाजीकरण और भावनात्मक विकास को बढ़ावा देने के लिए इंटरैक्टिव अभ्यासों में भाग लिया। छात्रों ने शिक्षकों के साथ भी बातचीत की और केस स्टडी भी तैयार की। मनोविज्ञान विभाग की प्रमुख डॉ. तरुणदीप ने इस बात पर जोर दिया कि इस विजिट का उद्देश्य कक्षा में सीखने की प्रक्रिया को वास्तविक दुनिया में सीखने के साथ जोड़ना है।